यूटीयू ने त्रुटि सुधार के लिए पहली बार प्रोविजनल परीक्षा परिणाम किया जारी

अशोक केडियाल • जागरण

- तीन दिन के अंदर संबद्ध संस्थान परिणाम की जांच करेंगे, गलती मिली तो ठीक करेंगे
- फिर विवि जारी करेगा अंतिम परिणाम, विद्यार्थी त्रुटि सुधार के लिए नहीं भटकेंगे

देहरादून : स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं के अंकपत्र या डिग्री में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे, इसे लेकर पहली बार वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि ने प्रोविजनल परीक्षा परिणाम जारी किया है। इसे सभी संबद्ध संस्थानों को प्रेषित किया है। इसमें यदि किसी छात्र का नाम, पिता का नाम, विषय या विषय कोड जैसी कोई भी त्रुटि रह गई है तो उसे संस्थान अपने स्तर पर ठीक करेगा। जिसे संबंधित संस्थान विवि को भेजेगा। विवि स्तर पर इसमें सुधार कर फाइनल परिणाम घोषित किया जाएगा।

यूटीयू से संबद्ध संस्थान के छात्र-छात्राएं परीक्षा परिणाम के बाद मार्कसीट व डिग्री में कई प्रकार की त्रुटि के लिए विवि के चक्कर काटते हैं। विवि उन्हें संबंधित संस्थान भेजता है। छात्र जब संस्थान से संपर्क करते हैं तो संस्थान इस गलती को विवि की बताकर लौटा देते हैं। इससे निजात दिलाने के लिए यूटीयू की परीक्षा समिति की 27 फरवरी 2025 को हुई 40वीं बैठक में पाठ्यक्रम आर्डिनेंस जारी किया गया। इसमें परीक्षाफल जारी करने से पहले विभिन्न तकनीकी, फार्मेसी, प्रबंधन, होटल मैनेजमेंट, विधि आदि पाठ्यक्रमों की यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम (यूएमएस) के माध्यम प्रोविजनल परीक्षाफल की पुष्टि संस्थान निदेशक के स्तर से किया जाना अनिवार्य कर दिया गया। अब दो दिन पहले यूटीयू ने सभी पाठ्यक्रमों का प्रोविजनल परीक्षा परिणाम यूएमएस पोर्टल पर अपलोड कर दिया है।

इन सभी पाठ्यक्रमों में लागू हुआ नया नियम

एमबीए, एमसीए, एमटेक, एम-फार्मा, एमएचएम, बीए-एलएलबी, बीबीए-एलएलबी, एलएलबी, एलएलएम, फार्मा-डी, बीटेक, बी-फार्मा, बीएचएमसीटी शामिल हैं।

79 कालेजों के 14 हजार से अधिक छात्रों को मिलेगा लाभ

यूटीयू से संबद्ध 14 संगठन और राजकीय इंजीनियरिंग कालेज हैं। 65 स्ववित्तपोषित इंजीनियरिंग कालेजों में 16 पाठ्यक्रमों की 14,387 सीटें हैं। इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को आगे मार्क सीट, उपाधि व माइग्रेशन सार्टिफिकेट त्रुटिविहीन मिलेंगे। पहले कई छात्र दूसरे विवि में केवल इसलिए प्रवेश लेने से वंचित रह गए कि उनकी मार्क सीट में विषय या विषय कोड गलत अंकित था। उसे ठीक कराने में इतना समय लग गया कि दूसरे विवि में प्रवेश की तिथि ही निकल गई। वहीं अंक तालिका से लेकर डिग्री में कई प्रकार की त्रुटियां श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि और हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि में वर्षों से सामने आ रही है।

यूटीयू में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की पूर्व से मिल रही शिकायतों का स्थायी समाधान के लिए यह नया नियम शुरू किया है। जब संस्थान स्तर से ही त्रुटि को ठीक कर लिया जाएगा तो आगे विवि स्तर पर घोषित किए जाने वाले परीक्षा परिणाम, मार्क सीट या डिग्री में भी कोई गलती नहीं रहेगी। विवि के यूएमएस पोर्टल पर प्रोविजनल परीक्षा परिणाम अपलोड कर दिया गया है।

प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति यूटीयू